SHRI SHANKARACHARYA MAHAVIDYALAYA
JUNWANI, BHILAI NAGAR (C.G.)

(RUN BY SHRI GANGAJALI EDUCATION SOCIETY, BHILAI)

NAAC RE-ACCREDITED WITH 'A' GRADE (

(Recognized by Govt. of C.G. & Affiliated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya Durg and Under Section 2(f) and 12(B) of the UGC Act, 1956)

1.1.1 - The Institution ensures effective curriculum delivery through a well planned and documented process

(Additional Information)

Alumni Meet

एसएसएमवी पूर्व छात्र कैरियर उद्यमी और यात्रा- एसएसएमवी कॉलेज द्वारा पोषित, व्यवसाय में उन्नति

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय, जुनवानी, भिलाई ने एक पूर्व छात्र बैठक आयोजित की, जहां कई पूर्व छात्र एकत्र हुए और एक बैठक की। उन्होंने आने वाले समय में आयोजित होने वाली एक बड़ी बैठक पर भी चर्चा की। कुछ पूर्व छात्रों ने अपने सुपर जूनियर छात्रों के साथ भी बातचीत की और अपने अनुभव साझा किए। पुरानी यादों को ताज़ा करने के साथ-साथ उन्होंने एक संपूर्ण पेशेवर बनने के लिए आवश्यक कौशल की युक्तियाँ भी साझा कीं। स्मृतियों के पथ पर चलें- श्री शंकराचार्य महाविद्यालय, जुनवानी भिलाई के बीबीए 2015 बैच के गौरवान्वित पूर्व छात्र श्री सिद्धार्थ सोनी ने स्मृतियों के पथ पर एक हार्दिक यात्रा शुरू की। उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों को याद किया, जहां उन्होंने अपने भविष्य के प्रयासों की नींव रखी थी। बीबीए की डिग्री के साथ स्नातक होने के बाद, यह ज्ञान और नवाचार की चिंगारी थी जिसने उनकी उद्यमशीलता यात्रा के लिए मंच तैयार किया।

An educational tour of Weavers' Union Fort was conducted by the students of Arts Faculty

आजाद हिन्द TiMES

HOME सेहत देश-विदेश छत्तीसगढ़ राज्य मनोरंजन करियर खेल दुनिया धर्म

छत्तीसगढ़ राज्य

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस: श्री शंकराचार्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किए द्वारा बुनकर संघ दुर्ग का शैक्षिक भ्रमण

Suvankar Roy Aug 7, 2023 - 19:05

Facebook Twitter

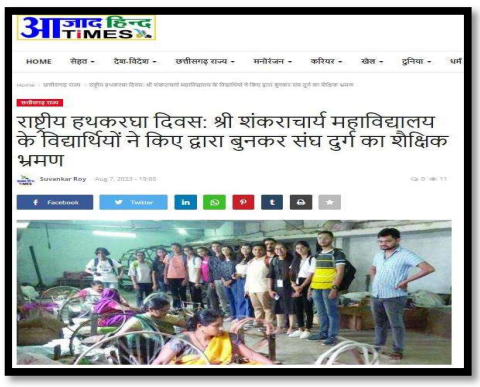

Hamar Sanskriti Hamar Chinhari

कला संकाय द्वारा दस दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स
हमर संस्कृति हमर चिन्हारी का आयोजन

World Tribal Day

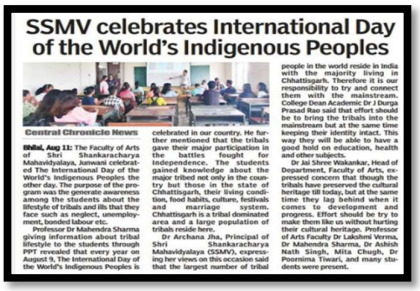
SSMV celebrates International Day of the World's Indigenous Peoples

Central Chronicle News

Bhilai, Aug 11: The Faculty of Arts of Shri Shankaracharya Mahavidyalaya, Junwani celebrated The International Day of the World's Indigenous Peoples the other day. The purpose of the program was the generate awareness among the students about the lifestyle of tribals and ills that they face such as neglect, unemployment, bonded labour etc.

Professor Dr Mahendra Sharma giving information about tribal lifestyle to the students through PPT revealed that every year on August 9, The International Day of the World's Indigenous Peoples is celebrated in our country. He further mentioned that the tribals gave their major participation in the battles fought for independence. The students gained knowledge about the major tribed not only in the country but those in the state of Chhattisgarh, their living condition, food habits, culture, festivals and marriage system. Chhattisgarh is a tribal dominated area and a large population of tribals reside here.

Dr Archana Jha, Principal of Shri Shankaracharya Mahavidyalaya (SSMV), expressing her views on this occasion said that the largest number of tribal people in the world reside in India with the majority living in Chhattisgarh. Therefore it is our responsibility to try and connect them with the mainstream. College Dean Academic Dr J Durga Prasad Rao said that effort should be to bring the tribals into the mainstream but at the same time keeping their identity intact. This way they will be able to have a good hold on education, health and other subjects.

Dr Jai Shree Waskankar, Head of Department, Faculty of Arts, expressed concern that though the tribals have preserved the cultural heritage till today, but at the same time they lag behind when it comes to development and progress. Effort should be try to make them like us without hurting their cultural heritage. Professor of Arts Faculty Dr Lakshmi Verma, Dr Mahendra Sharma, Dr Ashish Nath Singh, Mita Chugh, Dr Poornima Tiwari, and many students were present.

Workshop on Plating Fresh Air and Vermi-Compost organized by Eco Club and Botany Department

बिजनेस साइट

प्लांटिंग फ्रेश एयर व वर्मी कंपोस्ट पर कार्यशाला का आयोजन

Sunday Campus

शंकराचार्य कालेज में पौधों की शीतकालीन देखभाल पर कार्यशाला का आयोजन

RAMANUJAN MATHEMATICAL CLUB

परोसने का कार्य किया गया। जिसमें लगभग पांच तारीख को।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय द्वारा 'मैथेमेटिकल डे' का आयोजन

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी भिलाई के गणित विभाग द्वारा श्रीनिवासन रमानुजन जी के जन्म दिवस के अवसर पर 'मैथेमेटिकल डे' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्नातक के विद्यार्थियों द्वारा गणित पर आधारित स्किट का आयोजन किया गया एवं, पावर पाइंट प्रजेंटेशन, स्केच,पोस्टर, का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने समूह में चर्चा करके प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञों के बारे में बताया। प्रसिद्ध भारतीय गणित आर्य भट्ट ने 'शून्य' की खोज की, जी.एच. हार्डी जी ने संख्या सिद्धांत और गणितीय विश्लेषण में उनकी उपलब्धियों के बारे में बताया। वह भारतीय गणितज्ञ श्री निवासन रमानुजन जी के गुरू थे। पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से गणित के क्षेत्र में गणितज्ञों का बड़ा योगदान है। शून्य के अविष्कार पर श्रेय भारतीयों को जाता है। भारत में आर्य भट्ट, ब्रम्हगुप्त, रमानुजन जी, शकुन्तला देवी, नीना गुप्ता आदि महान गणितज्ञ हुए हैं जिन्होंने अपने कार्य से भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में अपना नाम किया है। और साथ ही इस कार्यक्रम में महान गणितज्ञ श्रीनिवासन रमानुजन जी के स्केच की प्रदर्शन भी की गई।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अर्चना झा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए प्राध्यापकों को बधाई दी साथ ही विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यक्रम करवाने की बात कही। महाविद्यालय के अकादमिक डीन डॉ. जे. दुर्गा प्रसाद राव ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों की सराहना की एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। गणित विभागाध्यक्ष श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक लवंजिका साहू सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Industrial visit for PG Student

Naya Aasma

लोग किन्नर को भिक्षा देने के बजाय काम दें: सेंद्रे

कम्युनिटी रिपोर्टर | भिलाई

शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी के महिला प्रकोष्ठ और समान अवसर सेल के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम नया आसमा का आयोजन किया गया। इसमें किन्नर समुदाय के अन्य सदस्य हसीना और साहिबा भी उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. अर्चना ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य समाज में ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ हो रहे भेदभाव की तरफ सभी का ध्यान आकर्षित करना है और समाज

शंकराचार्य कॉलेज में हुए जागरूकता कार्यक्रम में अतिथि और थर्ड जेंडर।

को यह संदेश देना है कि जैसे महिला और पुरुष होते हैं वैसे ही ट्रांसजेंडर तृतीय लिंग भी होते हैं। विद्यार्थियों ने नृत्य नाटिका पंख की प्रस्तुति दी। डॉ. सुचिता शर्मा ने ट्रांसजेंडर में होने वाले यौन डिस हार्मोनल ऑर्डर के विषय में जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि कंचन सेंद्रे ने कहा कि आप सभी किन्नर को भिक्षा देने की बजाय काम देने की कोशिश करें। अंत में छत्तीसगढ़ी नृत्य की प्रस्तुति किन्नर समुदाय की हसीना ने दी। डॉ. जी दुर्गा प्रसाद राव, डॉ. सुषमा दुबे, डॉ. केजे मंडल, डॉ. पूर्णिमा तिवारी, डॉ. सीमा द्विवेदी, ज्योति मिश्रा, रुबी गुप्ता, हर्षा सिंह आदि मौजूद थे।

Students of Biotechnology Department of Shri Shankaracharya Mahavidyalaya participated in the science fair organized at Kalinga University.

छात्रों ने हर्बल प्रोडक्ट्स की प्रदर्शनी लगाई

भिलाई। शंकराचार्य कॉलेज जुनवानी के बायोटेक्नोलॉजी के छात्र-छात्राओं ने कलिंगा यूनिवर्सिटी में आयोजित विज्ञान मेला में भाग लिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न तरह के स्टॉल लगाए गए। इसमें पांच स्टॉल हर्बल प्रोडक्ट्स, फूड स्टॉल और आर्ट गैलरी कॉलेज की छात्रों के द्वारा लगाया गया। इसमें कलिंगा यूनिवर्सिटी के कुलपति, प्राध्यापकगण के साथ-साथ वहां के विद्यार्थियों ने स्टाल को देखा। इन स्टालों में विभिन्न तरह के कला का प्रदर्शन किया गया। इसमें प्रमुख रूप से रेजीन आर्ट, प्राकृतिक रंगों द्वारा की गई चित्रकारी, मोबाइल कैककवर, कस्टमाइज्ड की-रिंग, बुकमार्क मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। घर पर बनाई हुई नेचुरल मेहंदी प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों के हाथों में मेहंदी डिजाइन छात्रों द्वारा बनाई गई।

शंकराचार्य के छात्राओं ने लगाया कलिंगा में स्टाल

भिलाईनगर, 21 अक्टूबर (देशबन्धु)। शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी के बायोटेक्नोलॉजी के छात्र छात्राओं ने कलिंगा यूनिवर्सिटी में आयोजित विज्ञान मेला में भाग लिया, इस कार्यक्रम में विभिन्न तरह के स्टॉल लगाए गए थे। जिसमें पांच स्टॉल हर्बल प्रोडक्ट्स, फूड स्टॉल और आर्ट गैलरी महाविद्यालय की छात्रों के द्वारा लगाया गया। जिसमें कलिंगा यूनिवर्सिटी के कुलपति, प्राध्यापकगण के साथ-साथ वहां के विद्यार्थियों ने स्टॉल को देखा एवं जरूरत की चीजों को खरीदा। इन स्टॉलों में विभिन्न तरह के कला का प्रदर्शन किया गया जैसे, रेजीन आर्ट, प्राकृतिक रंगों द्वारा की गयी चित्रकारी, मोबाइल बैककवर, कस्टमाइज्ड की-रिंग, बुकमार्क मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। घर पर बनाई हुई नेचुरल मेहंदी प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों के हाथों में मेहंदी डिजाइन छात्रों द्वारा बनाई गई। कलिंगा यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित मेले में शंकराचार्य महाविद्यालय द्वारा लगाये गये हर्बल और आर्ट स्टॉल मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहें। इन स्टालों का उपस्थित लोगों ने सराहना की। मेले में महाविद्यालय की बायोटेक्नोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आकांक्षा जैन, वनस्पतिशास्त्र की सुश्री वर्षा यादव के मार्गदर्शन में स्टॉल विज्ञान मेले में लगाया गया। प्राचार्य डॉ. अर्चना झा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में बच्चों का उत्साहवर्धन व उनका मनोबल भी बढ़ता है। डीन, अकादमिक डॉ. जे. दुर्गा प्रसाद राव ने छात्रों को भविष्य में अच्छा रिसर्च और स्टार्टअप में अच्छे मुकाम हासिल करने के लिए आशीर्वाद दिये।

Career Guidance and Path in Clinical Research

पूंजी बाजार पर जागरूकता कार्यशाला

भिलाईनगर, 20 जनवरी (देशबन्धु)। कॉलेज के वाणिज्य विभाग ने शंकराचार्य महाविद्यालय में सेबी और सीडीएसएल द्वारा पूंजी बाजार पर जागरूकता और कैरियर उन्मुख कार्यशाला पर सेमिनार का आयोजन किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता सी.जी.एम सेबी साहिल मलिक एवं यशवन्त गुप्ता क्षेत्रीय प्रबंधक सीडीएसएल थे। उन्होंने विभिन्न निवेश योजनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। म्यूचुअल फंड एक सामूहिक निवेश माध्यम है जो कई निवेशकों से धन एकत्र करता है और उसे इक्विटी, बांड, सरकारी प्रतिभूतियों, मुद्रा बाजार उपकरणों में निवेश करता है। म्यूचुअल फंड योजना में एकत्रित धन को पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा योजना के निवेश उद्देश्य के अनुरूप स्टॉक और बॉन्ड आदि में निवेश किया जाता है। उन्होंने कहा कि म्यूचुअल फंड का प्रबंधन पूर्ण कालिक, पेशेवर धन प्रबंधकों द्वारा किया जाता है। जिनके पास निवेश को सक्रिय रूप से खरीदने, बेचने और निगरानी करने के लिए विशेषज्ञता, अनुभव और संसाधन होते हैं। एक फंड मैनेजर लगातार निवेश की निगरानी करता है और योजना के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए तदनुसार पोर्टफोलियो को पुनर्संतुलित करता है। पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा पोर्टफोलियो प्रबंधन म्यूचुअल फंड के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक है। टीम ने छात्रों को प्रेरित करने के लिए उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया। उन्होंने उद्यमिता का अर्थ भी समझाया और भविष्य में एक छात्र कैसे पूंजी बाजार का उद्यमी बन सकता है, इसके बारे में भी बताया। उद्यमिता मुनाफा पैदा करने या मूल्य सृजन के उद्देश्य से एक नया व्यावसायिक उद्यम बनाने, विकसित करने और प्रबंधित करने की प्रक्रिया है। एक उद्यमी वह व्यक्ति होता है जो बाजार के अवसरों को भुनाने के लिए नवीन विचारों और रणनीतियों का उपयोग करके व्यवसाय शुरू करने और बढ़ाने के लिए वित्तीय जोखिम उठाता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पूंजी बाजार की उद्यमिता नौकरियां और धन पैदा करती है, ऐसे कई लाभ हैं जो उद्यमिता समाज में व्यक्तियों को प्रदान करती है, जिनमें रोजगार, आय और सामाजिक गतिशीलता। उन्होंने कहा कि महिलाएं जीवन में बचत करने वाली होती हैं। महिलाओं के लिए निवेश संबंधी निर्णय लेना भविष्य को वित्तीय सुरक्षा दिलाता है। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अर्चना झा ने हम छात्रों को वित्तीय बचत के बारे में जानकारी देने के लिए इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन करते हैं ताकि छात्रों को अपने कैरियर की शुरुआत से ही बचत करने की आदत हो। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला एक छात्र को भविष्य में एक सफल उद्यमी बनने में मदद करती है। महाविद्यालय के डीन डॉ. जे. दुर्गा प्रसाद राव ने कहा कि अपना पैसा निवेश करना कुछ कारणों से महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रचना तिवारी ने की। कार्यशाला में डॉ. अनीता पांडेय, डॉ. सुबोध द्विवेदी, डॉ. के.के. श्रीवास्तव, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव भी उपस्थित थे।

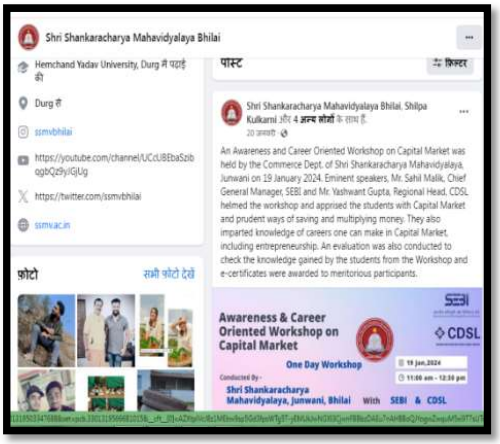

Awareness and Career Oriented Workshop on Capital Market

पूंजी बाजार पर जागरूकता कार्यशाला

भिलाईनगर, 20 जनवरी (देशबन्धु)। कॉलेज के वाणिज्य विभाग ने शंकराचार्य महाविद्यालय में सेबी और सीडीएसएल द्वारा पूंजी बाजार पर जागरूकता और कैरियर उन्मुख कार्यशाला पर सेमिनार का आयोजन किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता सी.जी.एम सेबी साहिल मलिक एवं यशवन्त गुप्ता क्षेत्रीय प्रबंधक सीडीएसएल थे। उन्होंने विभिन्न निवेश योजनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। म्यूचुअल फंड एक सामूहिक निवेश माध्यम है जो कई निवेशकों से धन एकत्र करता है और उसे इक्विटी, बांड, सरकारी प्रतिभूतियों, मुद्रा बाजार उपकरणों में निवेश करता है। म्यूचुअल फंड योजना में एकत्रित धन को पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा योजना के निवेश उद्देश्य के अनुरूप स्टॉक और बॉन्ड आदि में निवेश किया जाता है। उन्होंने कहा कि म्यूचुअल फंड का प्रबंधन पूर्ण कालिक, पेशेवर धन प्रबंधकों द्वारा किया जाता है। जिनके पास निवेश को सक्रिय रूप से खरीदने, बेचने और निगरानी करने के लिए विशेषज्ञता, अनुभव और संसाधन होते हैं। एक फंड मैनेजर लगातार निवेश की निगरानी करता है और योजना के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए तदनुसार पोर्टफोलियो को पुनर्संतुलित करता है। पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा पोर्टफोलियो प्रबंधन म्यूचुअल फंड के सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक है। टीम ने छात्रों को प्रेरित करने के लिए उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया। उन्होंने उद्यमिता का अर्थ भी समझाया और भविष्य में एक छात्र कैसे पूंजी बाजार का उद्यमी बन सकता है, इसके बारे में भी बताया। उद्यमिता मुनाफा पैदा करने या मूल्य सृजन के उद्देश्य से एक नया व्यावसायिक उद्यम बनाने, विकसित करने और प्रबंधित करने की प्रक्रिया है। एक उद्यमी वह व्यक्ति होता है जो बाजार के अवसरों को भुनाने के लिए नवीन विचारों और रणनीतियों का उपयोग करके व्यवसाय शुरू करने और बढ़ाने के लिए वित्तीय जोखिम उठाता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि पूंजी बाजार की उद्यमिता नौकरियां और धन पैदा करती है, ऐसे कई लाभ हैं जो उद्यमिता समाज में व्यक्तियों को प्रदान करती है, जिनमें रोजगार, आय और सामाजिक गतिशीलता। उन्होंने कहा कि महिलाएं जीवन में बचत करने वाली होती हैं। महिलाओं के लिए निवेश संबंधी निर्णय लेना भविष्य को वित्तीय सुरक्षा दिलाता है। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अर्चना झा ने हम छात्रों को वित्तीय बचत के बारे में जानकारी देने के लिए इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन करते हैं ताकि छात्रों को अपने कैरियर की शुरुआत से ही बचत करने की आदत हो। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला एक छात्र को भविष्य में एक सफल उद्यमी बनने में मदद करती है। महाविद्यालय के डीन डॉ. जे. दुर्गा प्रसाद राव ने कहा कि अपना पैसा निवेश करना कुछ कारणों से महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रचना तिवारी ने की। कार्यशाला में डॉ. अनीता पांडेय, डॉ. सुबोध द्विवेदी, डॉ. के.के. श्रीवास्तव, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव भी उपस्थित थे।

YUVA MAHOTSAV

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय में 'हुनर 2023 का नृत्य और संगीत की समन्वय छटा से शानदार आगाज

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय, जुनवानी, भिलाई में युवा उत्सव का प्रारंभ

Shri Shankaracharya Mahavidyalaya celebrates Hunar 23

शंकराचार्य कॉलेज में मेहंदी और रंगोली स्पर्धा, विजेता सम्मानित

अंतर्महाविद्यालयीन युवा उत्सव के परिणाम घोषित

कन्या भ्रूण हत्या,अंधविश्वास उन्मूलन की प्रस्तुति ने बटोरी तालीं

Outdoor classes for interactive learning with peace of mind

Poster competition for millets & environmental awareness

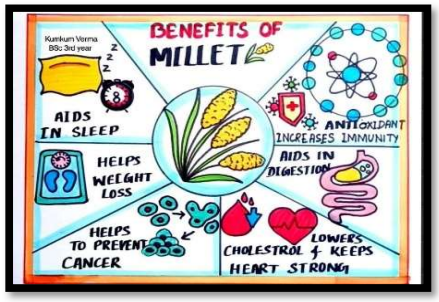

“Each One Reach One” day door to door Awareness program hygiene and health

Hareli week

श्री शंकराचार्य कालेज के बीएड प्रशिक्षणार्थी मना रहे हरेली सप्ताह

Jul 20, 2023

हिलाई। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार है जो श्रावण मास में मनाया जाता है। हरेली हरियाली का प्रतीक लाटत के किसान जो खेती से जुड़े हैं धान की फसल प्रकृति को हरियाली से आच्छादित करती हैं। प्रकृति को हरा-भरा बनाने का संकल्प लेकर श्री शंकराचार्य महाविद्यालय के बीएड प्रशिक्षणार्थियों द्वारा हरेली सप्ताह का आयोजन किया गया और जहां अभ्यास शिक्षण कर रहे हैं उन विद्यालयों में पौधारोपण किया गया।

International Literacy Day

Principals of Durg Bhilai were honored by the Education Department on the occasion of Teacher's Day by Shri Shankaracharya Mahavidyalaya, Junwani Bhilai.

Community Camp for B. ED., M.ED. Trainees, VILL.Nagpura

तुलसी जयंती

श्री शंकराचार्य में तुलसी जयंती का आयोजन

भिलाईनगर, 26 अगस्त (देशबन्धु)। शंकराचार्य महाविद्यालय में हिंदी विभाग के द्वारा तुलसी जयंती का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के डीन, अकादमिक डॉ जे. दुर्गा प्रसाद राव एवं प्राचार्य डॉ अर्चना झा ने कार्यक्रम को प्रारंभ किया। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्रद्धा मिश्रा ने तुलसीदास द्वारा रचित रामचरित मानस के संबंध में विद्यार्थियों को बताया कि श्री रामचरितमानस में शिक्षा धर्म अर्थ वेद संस्कृति सभी समाया हुआ है। अत: इस ग्रंथ का अध्ययन प्रत्येक विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से करना चाहिए। महाविद्यालय के छात्र मोहम्मद फैयाज ने तुलसी चरित्र पर अपना व्याख्यान दिया महाविद्यालय की छात्रा रक्षा बिसेन विषय में तुलसीदास द्वारा रचित समस्त रचनाओं एवं ग्रंथों का व्याख्यान किया। इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु डॉ. जे. दुर्गा प्रसाद राव ने अपने वक्तव्य में यह कहा कि तुलसी पावन संत थे एवं हमें उनके चरित्र के कुछ अंश ही सही, अवश्य अपनाना चाहिए।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस ए विश्व कविता दिवस

पत्रकारों का सम्मान

भिलाई–आज हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी भिलाई के प्राचार्य डॉक्टर अर्चना झा एवं डीन(अकादमी) द्वारा भिलाई के पत्रकारों का सम्मान किया गया हिंदी पत्रकार दिवस के अवसर पर एवं इन्हें एक पौधा भेंट कर इनका सभागार में स्वागत किया गया एवं बच्चों द्वारा पत्रकार एवं पत्रकारिता के चैलेंजिंग को एक नाटक के रूप में बखूबी निभाया गया एवं समाज में पत्रकार की क्या भूमिका है इसे भी बच्चे नाटक के द्वारा प्रस्तुत किया श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जूनवानी भिलाई के प्राचार्य डॉक्टर अर्चना झा ने कहा कि पत्रकार आम जनमानस एवं समाज को आईना दिखाने का कार्य करते हैं साथ ही साथ डॉक्टर जाने भगवान विष्णु एवं नारद जी को याद किया कहा कि नारद जी समाचार इकट्ठा कर दूसरे के पास यह समाचार का आदान-प्रदान करते रहते थे यह है डॉक्टर दुर्गा प्रसाद राव ने भी कहा कि पत्रकार की भूमिका एक बहुत बड़ी भूमिका होती है कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर लक्ष्मी वर्मा द्वारा किया जा रहा था बच्चों द्वारा पत्रकार से प्रश्न किए गए कि पत्रकारों के जीवन में क्या चैलेंज आती है जिसके जवाब में पत्रकार अरविंद सिंह ने कहा कि पत्रकार के लिए हर समय एक चैलेंजिंग होता है जिस पत्रकार बखूबी निभाते हैं और साथ ही साथ में यह भी कहा कि सभी की कार्य या ड्यूटी का समय तय होता है मगर पत्रकारों का नहीं वह 24 घंटा पेन कॉपी या मोबाइल के माध्यम से अपने पत्र का अधिकार बढ़ो भी निभाते रहते हैं ।

Spreading Awareness about transgender community

छात्रों को ट्रांसजेंडर के प्रति जागरूक किया

भिलाई| शंकराचार्य कॉलेज के जेंडर चैंपियन क्लब द्वारा स्वामी आत्मानंद स्कूल खम्हरिया में शनिवार को ट्रांसजेंडर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राएं- कुनाल कुहिकर, रक्षा बिसेन, खुशी मिश्रा, आर. नीरजा, चित्राक्षी जव्या ने अपने प्रस्तुतिकरण में समाज में ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ हो रहे भेदभाव की तरफ सभी का ध्यान आकर्षित किया। साथ ही यह संदेश दिया कि जैसे महिला और पुरुष होते हैं, वैसे ही तृतीय लिंग भी होते हैं।

आखिर क्यों हमारा समाज यह मानने को तैयार नहीं होता, ट्रांसजेंडर भी हमारे समाज का ही एक हिस्सा हैं। उन्हें भी समाज में समान अधिकार प्राप्त है। यह कार्यक्रम तृतीय लिंग समुदाय को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास है। प्राचार्य डॉ. अर्चना झा ने बताया कि शंकराचार्य कॉलेज पहला कॉलेज है, जिसने किन्नरों को मंच प्रदान किया और उनकी भावनाओं को सम्मानित किया। अकादमिक डीन डॉ. जे दुर्गा प्रसाद राव ने कहा कि महाविद्यालय समाज में व्याप्त लिंग भेदभाव और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिए, समाज में जागरूकता लाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है। इस अवसर पर प्रभारी डॉ. सोनिया बजाज मौजूद रहीं।

Celebration of Birth Anniversary of Dr. A.P.J. Kalam and World Food Day

शंकराचार्य महाविद्यालय के द्वारा विश्व खाद्य दिवस का आयोजन

भिलाईनगर, 18 अक्टूबर (देशबन्धु)। शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी; के माइक्रोबायोलॉजी विभाग एवं माइक्रोबायोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर फल एवं मिलेट्स शेक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्व खाद्य दिवस मनाने का उद्देश्य दुनिया से भुखमरी खत्म करना है साथ ही विश्व भर में फैली भुखमरी की समस्या के प्रति लोगों को जागरूक करना है, साथ ही भूख, कुपोषण और गरीबी के खिलाफ संघर्ष को मजबूती देना है। कार्यक्रम में निर्णायक डॉ. प्रीति श्रीवास्तव और डॉ. जयश्री वाकणकर रही। फल एवं मिलेट्स शेक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मेधा धुया बीएससी द्वितीय वर्ष, द्वितीय स्थान भूमिका मिश्रा बीएससी द्वितीय वर्ष एवं तृतीय स्थान पर कविता वर्मा एम.एससी. माइक्रोबायोलॉजी रही। प्राचार्य डॉ. अर्चना झा ने कहा कि विश्व खाद्य दिवस पर फल एवं मिलेट्स शेक प्रतियोगिता का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य सभी के लिये स्वस्थ आहार सुनिश्चित करना है। महाविद्यालय के डीन डॉ. जे. दुर्गा प्रसाद राव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से हमें स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करते हैं। फल एवं मिलेट्स शेक में पोषक तत्व, विटामिन के अच्छे स्रोत होते हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. रचना चौधरी, अनन्या मालेकर, वैभवी सहार, रचना तिवारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

श्री शंकराचार्य कॉलेज में पोस्टर बनाओ स्पर्धा में कविता और स्लोगन बनाओ प्रतियोगिता में रीता सेन प्रथम रही